राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केन्द्र, हिमाचल प्रदेश
में दिनांक 09-जून-2016 को
हिंदी समिति की बैठक, हिंदी संगोष्ठी एवं हिंदी कार्यशाला का आयोजन

राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने और सरकार की राजभाषा नीति के प्रति अनुकूल वातावरण बनाने के लिए केंद्र सरकार के कार्यालयों में वर्ष की प्रत्येक तिमाही में हिंदी कार्यान्वयन समिति की बैठक, हिंदी संगोष्ठी एवं हिंदी की कार्यशाला का आयोजन अपेक्षित है।

इस उद्देश्य हेतु राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र हिमाचल प्रदेश में वित्त वर्ष 2016-17 की प्रथम तिमाही (01-अप्रैल-2016 से 30-जून-2016) के दौरान दिनांक 09-जून-2016 को कार्यालय की हिंदी कार्यान्वयन समिति की बैठक, हिंदी संगोष्ठी एवं हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। हिंदी कार्यान्वयन समिति की बैठक के लिए समिति के सभी सदस्यों को पूर्व में सूचित किया गया, एवं इसी प्रकार से कार्यालय के सभी अधिकारिओं एवं कर्मचारिओं को हिंदी संगोष्ठी व हिंदी कार्यशाला के आयोजन के लिए भी पूर्व में सूचित किया गया था।

सबसे पहले कार्यालय की हिंदी कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन पूर्व निर्धारित समय अनुसार किया गया एवं बैठक में कार्यालय में उपस्थित सभी सदस्यों ने भाग लिया। श्री अखिलेश भारती जी के अवकाश पर होने के कारण, वह बैठक में भाग नहीं ले पाए। समिति की बैठक में एन.आई.सी. हि.प्र. एवं समस्त अधीनस्थ कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग की समीक्षा की गयी। एवं यह पाया गया, कि राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी के मार्गदर्शन में सभी अधिकारिओं एवं कर्मचारिओं के द्वारा कार्यालय में हिंदी का प्रयोग अधिक से अधिक सुचारू रूप से किया जा रहा है।

हिंदी कार्यान्वयन समिति की बैठक के तत्पश्चात एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश कार्यालय में हिंदी संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें हि.प्र. राज्य केंद्र एवं सभी अधीनस्थ कार्यालयों के अधिकारिओं एवं कर्मचारिओं ने भाग लिया। जिला केन्द्रों एवं अन्य कार्यालयों के अधिकारिओं एवं कर्मचारिओं ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम द्वारा संगोष्ठी एवं कार्यशाला में भाग लिया। संगोष्ठी के दौरान उपस्थित सभी अधिकारिओं एवं कर्मचारिओं ने राजभाषा हिंदी को कार्यालय के कार्यों में प्रयोग करने एवं बढ़ावा देने हेतु अपने-अपने विचार रखे, जो कि सभी के लिए अत्यंत उत्साह पूर्ण थे। संगोष्ठी के दौरान श्री विनोद गर्ग जी एवं श्री विमल कुमार शर्मा जी का योगदान विशेष रूप से रहा।

हिंदी कार्यान्वयन समिति की बैठक के पश्चात् हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जो कि पूरे दिन तक चला। हिंदी कार्यशाला के आयोजन हेतु कार्यालय के समस्त अधिकारिओं एवं कर्मचारिओं से अपने-अपने नाम कार्यशाला के आरम्भ होने से पूर्व सूचित करने का अनुरोध किया गया था, जिन्हें कार्यालय में अथवा अपने कार्यक्षेत्र में हिंदी में कार्य करने में किसी भी प्रकार की कठिनाई हो रही हो। परन्तु किसी भी अधिकारी एवं कर्मचारी ने अपना नाम नामित नहीं किया एवं सभी ने सूचित किया, कि उनको हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है। इस प्रकार कार्यशाला के दौरान सभी उपस्थित महानुभावों ने क्रम वार विस्तृत रूप से विचारों का आदान-प्रदान किया, विचारों के आदान-प्रदान के दौरान मूल विषय अपने-अपने कार्ययालयों एवं कार्यक्षेत्रों में हिंदी का प्रयोग एवं बढ़ावा देना ही रहा। इस प्रकार से विशेष कार्यशाला का आयोजन नहीं किया गया, परन्तु कार्यशाला का आयोजन सभी अधिकारिओं एवं कर्मचारिओं के लिए उत्साहवर्धक एवं हिंदी के ज्ञान को कार्यालय में प्रयोग हेतु तरोताजा रखने के लिए विशेष महत्वपूर्ण रहा।

हिंदी कार्यशाला एवं संगोष्ठी में निम्नलिखित अधिकारिओं और कर्मचारिओं ने भाग लिया।

क्रम सं.	**अधिकारी / कर्मचारी का नाम**	**क्रम सं.**	**अधिकारी / कर्मचारी का नाम**
1	अजय सिंह चैहल	19	राकेश कुमार
2	ललित कपूर	20	वीरेन्द्र प्रताप गुप्ता
3	संदीप सूद	21	विनोद कुमार गर्ग
4	विजय कुमार गुप्ता	22	भुपिंदर सिंह
5	संजय कुमार	23	भुपिंदर पाठक
6	संजय शर्मा	24	अक्षय मेहता
7	विमल कुमार शर्मा	25	बलवान सिंह
8	संजीव कुमार गुप्ता	26	ब्रिजेन्द्र कुमार डोगरा
9	आशीष शर्मा	27	राजीव कुमार
10	सी. एल. कश्यप	28	गुरप्रीत सिंह
11	मुकेश कुमार	29	अश्वनी कुमार

12	प्रवीण शर्मा	30	पंकज गुप्ता
13	वंदना धीमान	31	दीपक कुमार
14	अमित कन्नोजिआ	32	विजय कुमार
15	पृथ्वी राज नेगी	33	संजीव कुमार कश्यप
16	जरनैल सिंह	34	अनुज धांगर
17	विनय डोगरा	35	संजीव कुमार
18	हमेंदर लाल	36	अनुराग गुप्ता

इसके उपरांत श्री अजय सिंह चैहल, राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी जी ने अवगत करवाया, कि राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र हिमाचल प्रदेश में सभी अधिकारिओं एवं कर्मचारिओं के सम्पूर्ण सहयोग से हिंदी में उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है, एवं तकनीकी विभाग/कार्यालय होने उपरांत कार्यालय में प्राप्त अधिक से अधिक तकनीकी पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाता है, एवं कुछ विशेष उद्देश्य वाले तकनीकी पत्रों का उत्तर हिंदी में आवरण पत्र सहित दिया जाता है। और भविष्य में कार्यालय का पत्राचार शत-प्रतिशत हिंदी में करने के प्रयास किये जा रहे हैं।

हिंदी कार्यशाला एवं संगोष्ठी के दौरान प्रदेश के सभी अधिकारिओं एवं कर्मचारिओं ने अपने-अपने विचार रखे, जो कि सभी के लिए अत्यंत उत्साह पूर्ण थे। विचारों की प्रस्तुति के दौरान राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के लिए वर्ष 2016-17 के वार्षिक कार्यक्रम के बारे में विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा हुई, तथा श्री अजय सिंह चैहल, वरिष्ठ तकनिकी निदेशक एवं राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी जी के मार्गदर्शन में सभी उपस्थित अधिकारिओं एवं कर्मचारिओं ने अपने-अपने कार्यक्षेत्र में वार्षिक कार्यक्रम का अनुपालन करने भरोसा दिलाया। इसी के साथ हिंदी संगोष्ठी एवं हिंदी कार्यशाला के एक दिवसीय कार्यक्रम का समापन हुआ।